पंच-प्राण

पीएमश्री विद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए मार्ग दर्शिका

संदेश

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

प्रिय प्रधानाध्यापक गण,

जैसे-जैसे हम अपने माननीय प्रधानमंत्री के नए भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की यात्रा पर निकल रहे हैं, शिक्षा ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। पंच प्राण केवल मार्गदर्शक सिद्धांत नहीं हैं बल्कि वह आधारशीला हैं जिस पर एक विकसित, समावेशी और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र का निर्माण होगा। यह गाइडबुक पंच प्राण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो हमारे विद्यालयों में इन मूल्यों को आत्म सात करने के लिए एक विश्वसनीय ढांचा प्रदान करती है। इन सिद्धांतों को अपनाकर, हम अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ-साथ हमारे राष्ट्र को परिभाषित करने वाले नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों में भी दृढ़ रहते हैं।

पंच प्राण मार्गदर्शिका एक ऐसा है जिसे हमारे शिक्षकों को सशक्त बनाने, हमारी भावी पीढ़ियों के मन और को ह्रदय पोषित करने के लिए परिकल्पित किया गया है। प्रत्येक उल्लिखित कार्य परियोजना हमारे छात्रों में जिम्मेदारी की भावना, हमारी विरासत पर गर्व तथा एकता और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता पैदा करने का एक अवसर है।जैसे ही आप इस प्रयास में अपने स्कूलों का नेतृत्व करते हैं, अत्यधिक महत्व के राष्ट्रीय मिशन में अपने योगदान पर गर्व करें। आइए हम यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें कि हमारी शिक्षा प्रणाली से प्रत्येक छात्र भारत का एक गौरवान्वित, सक्षम और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनकर उभरे।

धर्मेन्द्र प्रधान
शिक्षा मंत्री

संदेश

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

प्रिय प्रधानाध्यापकों,

हमारा राष्ट्र अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण में खड़ा है, जहां हमारे लोगों की आकांक्षाएं नए भारत की दृष्टि से मेल खाती हैं। पंच प्राण, जैसा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा व्यक्त किया गया है, इस भविष्य की दिशा में हमारा मार्गदर्शन करने वाले एक प्रकाशस्तंभ के रूप में कार्य करता है। यह गाइडबुक केवल दिशानिर्देशों का एक संग्रह नहीं है बल्कि हमारे स्कूलों के भीतर इन आकांक्षाओं को वास्तविकता में बदलने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है।इस गाइड में विस्तृत गतिविधियों और परियोजनाओं को लागू करके, आप एक ऐसी पीढ़ी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जो अपनी जड़ों पर गर्व करेगी, एकता के लिए प्रतिबद्ध होगी और हमारे देश को अभूतपूर्व ऊंचाइयों की ओर ले जाने के लिए सुसज्जित होगी।

जैसे ही आप अपने स्कूलों में पंच प्राण को जीवन में लाते हैं, मैं आपको हमारे युवा शिक्षार्थियों के दिमाग और दिल पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव को याद करने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक गौरव और नागरिक जिम्मेदारी के सिद्धांत सिर्फ आदर्शों से कहीं अधिक हैं - वे एक मजबूत और जीवंत समाज के निर्माण खंड हैं।इन मूल्यों के प्रति आपका समर्पण यह सुनिश्चित करेगा कि हमारे छात्र न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करें बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी बनें जो देश की प्रगति में योगदान देने के लिए तैयार हैं। हम सब मिलकर नए भारत का सपना साकार कर सकते हैं और हासिल करेंगे।

जयंत चौधरी
शिक्षा राज्य मंत्री,
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास
और उद्यमिता मंत्रालय

संदेश

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

प्रिय प्रधानाध्यापकों,

पंच प्राण गाइडबुक एक ऐसी शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के हमारे सामूहिक मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है जो न केवल ज्ञान प्रदान करती है बल्कि उन मूल्यों और सिद्धांतों को भी विकसित करती है जो हमारे छात्रों को उनके पूरे जीवन में मार्गदर्शन करेंगे। यह गाइडबुक हमारे छात्रों के दैनिक अनुभवों में इन मूल्यों को शामिल करने के लिए एक स्पष्ट और कार्रवाई योग्य मार्ग प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली देश के विकास में सार्थक योगदान देती है।

इस गाइडबुक में उल्लिखित गतिविधियों में शामिल होकर, आप सक्रिय रूप से हमारे देश के भविष्य को आकार दे रहे हैं। प्रत्येक एक्शन प्रोजेक्ट को हमारे देश के अद्वितीय सांस्कृतिक और नैतिक ताने-बाने के साथ प्रतिध्वनित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्र बेहतर भारत के निर्माण में अपनी भूमिका को समझें और उसकी सराहना करें। इस प्रयास में आपका नेतृत्व महत्वपूर्ण है।ऐसे वातावरण को बढ़ावा देकर जहां इन मूल्यों को जीया और सांस लिया जा सके, आप एक ऐसी पीढ़ी बनाने में मदद कर रहे हैं जो न केवल जानकार है बल्कि उन आदर्शों के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध है जो हमारे देश को महान बनाते हैं। मैं आपसे हमारे छात्रों और हमारे देश पर स्थायी प्रभाव डालने के लिए इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह करता हूं।

संजय कुमार
सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

प्रस्तावना

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

प्रिय प्रधानाध्यापकों,

पंच प्राण गाइडबुक एक व्यापक मार्गदर्शिका है, जो विशेष रूप से पीएमश्री स्कूल के प्रधानाचार्यों के लिए तैयार की गई है, जो हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त पंच प्राण के साथ संरेखित कार्य परियोजनाओं का विवरण देती है। यह नए भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और इन मूल सिद्धांतों को हमारी शैक्षिक प्रथाओं में निर्बाध रूप से एकीकृत करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है।

गाइडबुक में पंच प्राण को सावधानीपूर्वक शामिल किया गया है:

- विकसित भारत का लक्ष्य
- औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना
- हमारी जड़ों पर गर्व करें
- एकता
- नागरिकों में कर्तव्य की भावना

इस गाइडबुक का प्रत्येक अनुभाग पूरे शैक्षणिक वर्ष में इन कार्य परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए विस्तृत योजनाएँ और रणनीतियाँ प्रदान करता है। ये पहल यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं कि पंच प्राण मूल्यों को हमारे शैक्षिक ढांचे में सक्रिय रूप से शामिल किया जाए और हमारे छात्रों द्वारा इसका अभ्यास किया जाए।

आइए हम अपने स्कूलों के भीतर पंच प्राण को साकार करने में सहयोग करें, अपने देश के भविष्य को आकार देने में सार्थक योगदान दें।

विपिन कुमार
अपर सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India
PM
SHRI
Panch Pran of Amrit Kaal
First Pran - Goal of Developed India
Second Pran - Remove any trace of colonial mindset
Third Pran - Take pride in our roots
Fourth Pran - Unity
Fifth Pran - Sense of duty among the citizens

विषयसूची

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	पंच प्राण	7
2	पीएमश्री स्कूल प्राचार्यों की दूरदर्शी भूमिकाएँ	8
3	गतिविधि कैलेंडर	9-11
4	सप्ताह 1 - 5 गतिविधियाँ	12-21
5	सप्ताह 6-10 गतिविधियाँ	22-31
6	सप्ताह 11 - 15 गतिविधियाँ	32-41
7	सप्ताह 16-20 गतिविधियाँ	42-51
8	सप्ताह 21 - 25 गतिविधियाँ	52-61
9	गतिविधियों की स्थिति प्रस्तुत करने के लिए क्यूआर कोड	62

पंच-प्राण

01

विकसित भारत का लक्ष्य

02

औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना

03

हमारी जड़ों पर गर्व

04

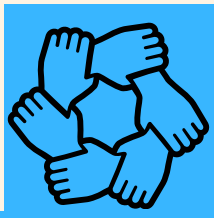

एकता

05

नागरिकों में कर्तव्य की भावना

पीएमश्री स्कूल प्रधानाचार्यों की दूरदर्शी भूमिकाएँ

नेता के रूप में अपने आचरण में पंच प्राण मूल्यों को प्रदर्शित करें

पंच प्राण मार्गदर्शिका के बारे में शिक्षकों को उन्मुख करें और कार्य परियोजनाओं के कार्यान्वयन की योजना बनाएं

इन कार्य परियोजनाओं को लागू करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित करें और उनके साथ मिलकर काम करें।

विद्यार्थियों में पंच प्राण के बारे में जागरूकता पैदा करें और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करें।

स्कूल के संदर्भ में पंच प्राण कार्य परियोजना का मूल्यांकन, परिशोधन और प्रभावी ढंग से कार्यान्वयन करें।

शिक्षकों को उनके प्रयासों के लिए स्वीकार करें और विद्यार्थियों को उनकी भागीदारी के लिए मान्यता दें।

शिक्षकों को निरंतर सहायता और फॉलो-अप प्रदान करें।

दिए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से पंच प्राण कार्य परियोजनाओं के कार्यान्वयन का

एक्शन प्रोजेक्ट कैलेंडर

सूचना: समयसीमा पूरी तरह से सुझावात्मक है और इसे स्कूल कैलेंडर के अनुसार समायोजित किया जा सकता है।

गतिविधियों की योजना कुछ दिन पहले शुरू हो सकती है ताकि उन्हें सुझाए गए सप्ताह के दौरान लागू किया जा सके।

सप्ताह	सांकेतिक महीना	प्राण	कार्यपरियोजन
1	**सितम्बर**	विकसित भारत का लक्ष्य	राष्ट्र निर्माता
2	**सितम्बर**	औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना	स्वदेशी खेल सप्ताह
3	**सितम्बर**	हमारी जड़ों पर गर्व	कहानी लेखन महोत्सव
4	**सितम्बर**	एकता	भारतीय राज्यों पर निषयगत सभाएँ
5	**सितम्बर/ अक्टूबर**	नागरिकों में कर्तव्य की भावना	सरकारी संस्थान का एक्सपोजर संपर्क भ्रमण

सप्ताह	सांकेतिक महीना	प्राण	एक्शन प्रोजेक्ट्स
6	अक्टूबर	विकसित भारत का लक्ष्य	सशक्त मन, सशक्त राष्ट्र
7	अक्टूबर/नवंबर	औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना	हमारा इतिहास हमारा गौरव
8	नवंबर	हमारी जड़ों पर गर्व	पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प कार्यशाला
9	नवंबर	एकता	राष्ट्रीय विभूतियाँ
10	नवंबर	नागरिकों में कर्तव्य की भावना	दया

सप्ताह	सांकेतिक महीना	प्राण	एक्शन प्रोजेक्ट्स
11	नवंबर	विकसित भारत का लक्ष्य	डिजिटल साक्षरता
12	दिसंबर	औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना	अपनी स्थानीय संस्कृति को जानें
13	दिसंबर	हमारी जड़ों पर गर्व	कार्य में महत्व देना
14	**दिसंबर**	एकता	मेरी संस्कृति मेरा गौरव: सांस्कृतिक प्रदर्शनी
15	जनवरी	नागरिकों में कर्तव्य की भावना	नागरिक उत्तरदायित्व

सप्ताह	विचारोत्तेजक महीना	प्राण	एक्शन प्रोजेक्ट्स
16	जनवरी	विकसित भारत का लक्ष्य	पोषण उद्यान
17	जनवरी	औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना	भारतीय संवैधानिक मूल्यों को कुटवाचन करना समझना
18	जनवरी/फ़रवरी	हमारी जड़ों पर गर्व	आधुनिक भारत के निर्माता का जश्न मना रहे हैं
19	फ़रवरी	एकता	विविधता की पुस्तक
20	फ़रवरी	नागरिकों में कर्तव्य की भावना	युवा संसद

सप्ताह	विचारोत्तेजक महीना	प्राण	एक्शन प्रोजेक्ट्स
21	फ़रवरी	विकसित भारत का लक्ष्य	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान
22	फरवरी/मार्च	औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना	आत्मनिर्भर गाँव: निबंध प्रतियोगिता
23	अप्रैल	हमारी जड़ों पर गर्व	विरासत भ्रम
24	अप्रैल	एकता	भाषा सीखने के स्थान
25	अप्रैल	नागरिकों में कर्तव्य की भावना	आइए एक साथ रीसायकल करें

सप्ताह - 01

प्राण -1: विकसित भारत का लक्ष्य

एक्शन प्रोजेक्ट: देश के निर्माता

उद्देश्य	सामग्री
छात्रों को विभिन्न व्यवसायों के बारे में समझने, राष्ट्र के विकास में उनके योगदान और उपलब्ध कैरियर के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए।	• स्थानीय पेशेवरों की संपर्क जानकारी. • सप्ताह भर की बातचीत के लिए कार्यक्रम और रूपरेखा। • स्पीकर रखने के लिए स्थान और उपकरण (जैसे, माइक्रोफ़ोन, प्रोजेक्टर)।

तैयारी का समय - 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय - 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: कर्मचारियों को योजना के बारे में बताएं और कार्यान्वयन के बारे में सुझाव लें।

चरण 2: शिक्षकों को स्थानीय समुदाय के पेशेवरों से संपर्क करने और उनके साथ उद्देश्य और अपेक्षाओं को साझा करने की जिम्मेदारी सौंपें।

चरण 3: कम से कम 5 पेशेवरों/पूर्व छात्रों को अंतिम रूप दें जो गतिविधि में भाग ले सकते हैं।

चरण 4: पूरे सप्ताह के गतिविधि के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए वक्ताओं और स्थान की उपलब्धता के साथ कार्य योजना बनाए। उदाहरणार्थ, सप्ताह में 5 दिनों के लिए 30 मिनट की असेम्ली।

चरण 5: वक्ताओं के साथ बातचीत की रूपरेखा साझा करें।

चरण 6: छात्रों द्वारा तैयार किएगए उपहार/स्मृति चिन्ह से वक्ताओं का अभिनंदन करें।

चरण 7: छात्रों से अपनी सीख को लिखने और साझा करने के लिए कहें और यह भी बताएं कि छात्र इसे कैसे आगे ले जाना चाहते हैं

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों के बारे में छात्रों की समझ में वृद्धि। • स्कूल और स्थानीय सामुदायिक पेशेवरों के बीच मजबूत संबंध। • संभावित व्यावसायिक ? पथों और नागरिक सहभागिता में छात्रों की रुचि बढ़ी।	• बातचीत की प्रभावशीलता और प्रभाव पर शिक्षकों, छात्रों और पेशेवरों से प्रतिक्रिया एकत्र करें। • व्यावसायिक वार्ता के दौरान छात्रों की व्यस्तता और भागीदारी का निरीक्षण करें। • चर्चाओं के आधार पर छात्र के व्यवहार, दृष्टिकोण या ज्ञान में किसी भी बदलाव का आकलन करें।

सप्ताह - 02

प्राण -2: औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना

एक्शन प्रोजेक्ट: स्वदेशी खेल सप्ताह

उद्देश्य	सामग्री
भारत के स्थानीय खेलों के माध्यम से छात्रों में शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देना जिससे भारत के पारंपरिक खेलों और उनके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा हो सके।	• स्वदेशी खेलों पर पोस्टर. • खेल गतिविधियों के लिए साइन-अप शीट. • चयनित स्वदेशी खेलों के लिए उपकरण और आपूर्ति। • शिक्षकों और छात्रों के लिए फीडबैक फॉर्म।

तैयारी का समय- 3 दिन
कार्यान्वयन का समय- 3 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: खेल सप्ताह से पहले: स्कूल में स्वदेशी खेल सप्ताह की योजना बनाने के लिए स्टाफ बैठक आयोजित करें।

चरण 2: खेल सप्ताह से पहले: सुबह की सभा में 'स्वदेशी खेल सप्ताह' की घोषणा करें।

चरण 3: खेल सप्ताह से पहले: स्कूल के चारों ओर 'स्वदेशी खेल सप्ताह' और पारंपरिक खेलों के लाभों पर पोस्टर चिपकाएँ।

चरण 4: खेल सप्ताह से पहले: विभिन्न खेल श्रेणियों के तहत छात्रों का साइन-अप प्राप्त करने के लिए कक्षा शिक्षकों को साइन-अप शीट प्रदान करें।

चरण 5: खेल सप्ताह के दौरान: संबंधित शिक्षकों के मार्गदर्शन में पूरे सप्ताह चयनित खेल गतिविधियों को लागू करें।

चरण 6: खेल सप्ताह के दौरान: कक्षा शिक्षकों को छात्रों के साथ स्थानीय खेलों की उत्पत्ति और स्वास्थ्य लाभों पर चर्चा करने का निर्देश दें।

चरण 7: खेल सप्ताह के बाद: शिक्षकों के लिए फीडबैक फॉर्म जारी करें और पाठ्यक्रम में सुधार के लिए जानकारी एकत्रित करें।

चरण 8: खेल सप्ताह पोस्ट करें: खेल सप्ताह की तस्वीरें स्कूल के सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों के बीच स्वदेशी खेलों के प्रति जागरूकता और सराहना में वृद्धि। • शारीरिक स्वस्थता और पारंपरिक खेलों से जुड़े स्वास्थ्य लाभों की समझ में वृद्धि।	• विभिन्न खेल श्रेणियों में रुचि और सहभागिता का आकलन करने के लिए साइन-अप शीट से छात्र भागीदारी डेटा एकत्र करें और उसका विश्लेषण करें। • प्रतिभागियों की भागीदारी के स्तर, निर्देशों की स्पष्टता और प्रमुख मूल्यों के बारे में छात्रों की समझ पर समग्र प्रभाव का मूल्यांकन करके खेल सप्ताह की गतिविधियों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए शिक्षक फीडबैक फॉर्म की समीक्षा करें। इससे सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और भविष्य की गतिविधियों को परिष्कृत करने में मदद मिलेगी।

सप्ताह - 03

प्राण -3: हमारी विरासत पर गर्व

एक्शन प्रोजेक्ट: कहानी लेखन महोत्सव

उद्देश्य	सामग्री
एक कार्यक्रम आयोजित करना जो छात्रों को भारतीय पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और इतिहास से प्रेरित कहानियाँ लिखने के लिए प्रोत्साहित करे। यह कार्यक्रम लेखन कौशल को बढ़ाने और सांस्कृतिक विरासत की समझ को गहरा करने पर केंद्रित है।	• भारतीय पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और इतिहास पर कहानी की किताबें या संसाधन • कहानी लेखन एवं चयन के लिए दिशानिर्देश • उत्कृष्ट कहानीकारों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार

तैयारी का समय- 2 दिन
कार्यान्वयन का समय- 3-4 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: **कहानी लेखन सप्ताह से पहले:** कार्यक्रम के उद्देश्यों को डिजाइन करने, विवरणों की रूपरेखा तैयार करने के लिए शिक्षकों के साथ एक बैठक बुलाएँ।

चरण 2: **कहानी लेखन सप्ताह से पहले:** शिक्षकों को छात्रों के साथ कार्यक्रम के विवरण साझा करने, विषय चयन के लिए आवश्यक दिशानिर्देशों के साथ भारतीय पौराणिक कथाओं, लोककथाओं और इतिहास से प्रेरित मूल कहानियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

चरण 3: **कहानी लेखन सप्ताह के दौरान:** प्रभावी कहानी लेखन तकनीकों पर सत्र आयोजित करने में शिक्षकों का मार्गदर्शन करें, माता-पिता, बुजुर्गों, भाई-बहनों और समुदाय के सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद छात्रों को कहानियां लिखने में मदद करें।

चरण 4: **कहानी लेखन सप्ताह के दौरान:** कहानी लेखन सत्र के लिए समर्पित समय आवंटित करने के लिए समय सारिणी को समायोजित करें।

चरण 5: **कहानी लेखन सप्ताह के दौरान:** पूर्ण कहानियों को एकत्रित करें और उन्हें एक पुस्तिका के रूप में संकलित करें।

चरण 6: **कहानी लेखन सप्ताह के बाद:** कहानियों का मूल्यांकन करें और उत्कृष्ट कहानी लेखकों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र या उपहार वितरित करें।

चरण 7: **कहानी लेखन सप्ताह के बाद:** छात्रों से प्रतिक्रिया एकत्र करें और शिक्षकों को कार्यक्रम का विश्लेषण करने के लिए प्रोत्साहित करें।

चरण 8: भविष्य में सुधार के लिए मुख्य उपायों की पहचान करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों के रचनात्मक लेखन कौशल में वृद्धि। • सहयोगात्मक कौशल में वृद्धि और छात्रों एवं शिक्षकों के मध्य एक सामुदायिक भावना जागृत हुई।	• कहानी की संरचना (शुरुआत, मध्य और अंत), रचनात्मकता और सहयोग के तत्व, जिसमें माता-पिता, बुजुर्ग, भाई-बहन और समुदाय के सदस्यों के साथ चर्चा शामिल हो, के आधार पर छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करें। • शिक्षक इन मैट्रिक्स के आधार पर छात्रों के प्रदर्शन का विश्लेषण करें और फीडबैक साझा करें। • गतिविधि के सफल पहलुओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए फीडबैक का विश्लेषण करें।

सप्ताह - 04

प्राण -4: एकता

एक्शन प्रोजेक्ट: भारतीय राज्यों पर आधारित सभाएँ

उद्देश्य	सामग्री
• भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की थीम पर आधारित सभाओं के माध्यम से छात्रों में एकता की भावना पैदा करना।	• स्टेशनरी सामग्री: राज्य केंद्र शासित प्रदेश के नक्शे और प्रश्नोत्तरी • सांस्कृतिक पोस्टर • राज्य थीम पर आधारित कोलाज जिसमें उगाई गई फसलों, नृत्य रूपों, व्यंजनों आदि को प्रदर्शित किया गया है।

तैयारी का समय - 1-2 दिन
कार्यान्वयन का समय - 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: "विविधता में एकता" के तहत सभाओं के लिए अलग-अलग थीम की योजना बनाएं और राज्यों के, जैसे "भारत के सांस्कृतिक त्यौहार," "हमारे राष्ट्र की भाषाएँ", "क्षेत्रीय कला और शिल्प," और "पारंपरिक पोशाक" आधारित योजना बनाएं।"

चरण 2: एक थीम आधारित असेंबली कैलेंडर बनाएं

चरण 3: कैलेंडर के अनुसार सभाओं की योजना बनाएं और संचालन करें, इस प्रक्रिया में वक्ताओं, कलाकारों या प्रस्तुतकर्ताओं जैसी भूमिकाओं के माध्यम से छात्रों को सक्रिय रूप से शामिल करें।

चरण 4: प्रत्येक असेंबली के बाद, कक्षा में विषय पर चर्चा करें, छात्रों को इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करें कि उन्होंने क्या सीखा और यह उनके दैनिक जीवन पर कैसे लागू होता है।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों को भारत के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की विविधता के बारे में जानकारी में अभिवृद्धि	• भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की थीम पर कम से कम एक विधानसभा आयोजित करें • इन थीम आधारित पर सभाओं में चर्चा की योजना बनाएं

सप्ताह - 05

प्राण -5: नागरिकों में कर्तव्य की भावना

एक्शन: सरकारी संस्थान का संपर्कीय भ्रमण:

उद्देश्य	सामग्री
स्थानीय सरकारी संस्थानों की कार्यप्रणाली व्यवहारिक संदर्भों एवं इनके महत्व के बाद में छात्रों की समझ को बढ़ावा देना।	• अनुमति पर्चियाँ और सहमति प्रपत्र। • छात्रों के लिए अवलोकन जाँच सूची। • डीब्रीफिंग सत्र सामग्री (चर्चा गाइड, फीडबैक फॉर्म)।

तैयारी का समय- 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय- 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: शैक्षिक उद्देश्यों को परिभाषित करें और ग्राम पंचायत, नगर पालिका, निगम, जिला प्रशासन कार्यालय आदि जैसे सरकारी संस्थानों की यात्रा के लिए एक इंटरैक्टिव योजना बनाएं।

चरण 2: अधिकारियों और अभिभावकों से अनुमती। यदि अनुमति पर्चियाँ प्राप्त नहीं हुई हैं, तो सुझाई गई वैकल्पिक गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- भूमिका निभाने वाले परिदृश्य ईमानदारी का प्रदर्शन करते हैं और कर्तव्यों को पूरा करते हैं (उदाहरण के लिए, खोई हुई वस्तुओं को वापस करना, सामुदायिक नियमों का पालन करना, अधिकारियों को समस्याओं की रिपोर्ट करना)।
- ईमानदारी की प्रतिज्ञा।

चरण 3: छात्रों को दौरे का उद्देश्य बताएं।

चरण 4: दौरे के लिए संस्थानों के साथ समन्वय करें।

चरण 5: मार्गदर्शक के रूप में अधिकारियों के साथ संस्थान के दौरे की व्यवस्था करें।

चरण 6: छात्रों को संस्थान के विशिष्ट पहलुओं का निरीक्षण करने का काम सौंपें।

चरण 7: एक डीब्रीफिंग सत्र आयोजित करें जहां छात्र अपनी टिप्पणियों और अनुभवों को साझा कर सकते हैं।

चरण 8: दौरे के बारे में छात्रों से प्रतिक्रिया एकत्र करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• संस्था के कार्यों की समझ में वृद्धि। • अपने अध्ययन के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में छात्रों की व्यस्तता में वृद्धि। • आलोचनात्मक अवलोकन और चिंतन कौशल का विकास में वृद्धि।	• यात्रा के शैक्षिक मूल्य पर छात्रों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया एकत्र करें। • डीब्रीफिंग सत्र के दौरान छात्रों की सहभागिता और समझ का आकलन करें। • पूर्वनिर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों के साथ यात्रा के परिणामों की तुलना करें।

सप्ताह - 06

प्राण-1: विकसित भारत का लक्ष्य

कार्य परियोजन: सशक्त मन, सशक्त राष्ट्र

उद्देश्य	सामग्री
• स्कूल छात्रों के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य सत्र का आयोजन करेगा. • छात्रों को मानसिक कल्याण की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में बताया जाएगा • छात्रों की मानसिक भलाई सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जा सकने वाली प्रथाओं को लागू करें।	• संभावित बाहय/पेशेवर वक्ताओं का संपर्क विवरण। • वक्ता या शिक्षक के लिए सत्र की रूपरेखा। • सत्र के लिए अनुरूपक। • मानसिक कल्याण पर जागरूकता शपथ के लिए आलेख/लिपि।"

तैयारी का समय - 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय - 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: सत्र से पहले: यह तय करने के लिए शिक्षकों के साथ एक बैठक आयोजित करें कि क्या कोई बाहय (पेशेवर)/आंतरिक (कर्मचारियों के बीच) सत्र लेगा।

चरण 2: सत्र से पहले: यदि बाहरी वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है, तो मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता जैसे पेशेवर से संपर्क करें।

चरण 3: सत्र से पहले: वक्ता को सत्र के उद्देश्य के बारे में जानकारी दें और उन्हें तदनुसार तैयारी के लिए कहें।

चरण 4: सत्र से पहले: यदि स्कूल का कोई शिक्षक सत्र ले रहा है, तो उपलब्ध सामग्री के साथ सत्र की योजना बनाने में शिक्षक का सहयोग करें।

चरण 5: सत्र से पहले: सत्र के लिए संभार और समय की योजना बनाएं और प्रबंधन करें।

चरण 6: सत्र से पहले: छात्रों के प्रश्नों के लिए भी कुछ समय आवंटित करें।

चरण 7: सत्र के दौरान: छात्रों को मानसिक कल्याण के बारे में जागरूकता की शपथ दिलाएं।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों की मानसिक भलाई के बारे में जागरूकता और समझ में वृद्धि। • छात्रों को उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रबंधित करने की रणनीतियों के साथ सशक्त बनाया गया। • मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए एक सहायक स्कूल वातावरण में अभिवृद्धि।	• सत्र की प्रभावशीलता और प्रासंगिकता पर छात्रों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया एकत्र करें। • सत्र के दौरान छात्रों की व्यस्तता और प्रश्नोत्तरी में उनकी भागीदारी की निगरानी करें । • छात्रों की जागरूकता और मानसिक कल्याण के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन का आकलन करने के लिए अनुवर्ती सर्वेक्षण या चर्चा आयोजित करें।

Ministry of Education
Government of India

MANODARPAN

is here to listen
Speak up, children

सप्ताह - 07

प्राण-2: औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाने के लिए

एक्शन प्रोजेक्ट: हमारा इतिहास हमारा गौरव

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों को भारत के ऐतिहासिक व्यक्तियों के योगदान और बलिदान के बारे में जानने में संलग्न करना और हमें अपने इतिहास पर गर्व क्यों करना चाहिए • यह जानने के लिए कि कैसे भारत के ने अपने भारतीय मूल्यों, समृद्ध संस्कृति और ज्ञान के आधार पर राष्ट्र का निर्माण किया है	• योजना बनाने के लिए आवश्यक लेखन सामग्री जैसे चार्ट, स्केच पेन आदि। • योजना के अनुसार साजो-सामान की व्यवस्था।

तैयारी का समय - 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय -1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: शिक्षकों के साथ चर्चा करें और विचार करने योग्य ऐतिहासिक घटनाओं को अंतिम रूप दें।

चरण 2: छात्रों को समूहों में विभाजित करें और चर्चा करें कि वे किस ऐतिहासिक घटना पर एक लघु नाट्य करना चाहेंगे।

चरण 3: स्किट के लिए आवश्यक स्क्रिप्ट और विवरण को अंतिम रूप देने में छात्रों का समर्थन करें।

चरण 4: नाटकों के प्रदर्शन के लिए तारीख, समय और स्थान को अंतिम रूप दें और आवश्यक साजो-सामान व्यवस्था की योजना बनाएं।

चरण 5: छात्रों के माता-पिता और समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित करें।

चरण 6: नाटकों के प्रदर्शन को योजना के अनुसार व्यवस्थित करें और साथ ही उनके पीछे के संदेश को भी सुदृढ़ करें।

चरण 7: माता-पिता और छात्रों से उनके अनुभव और सीख पर प्रतिक्रिया एकत्र करें।

चरण 8: मूल्यों को दोहराने के लिए बाद में कक्षाओं में विषयों और ऐतिहासिक घटनाओं पर चर्चा करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं पर लघु नाटिका प्रस्तुत करेंगे जिन्होंने एक राष्ट्र के रूप में हमारी पहचान को आकार दिया है। • छात्र सहयोग, प्रस्तुति और अभिव्यक्ति जैसी दक्षताओं पर काम करते हुए इन ऐतिहासिक घटनाओं के महत्व के बारे में जानेंगे।	• अभिभावकों और छात्रों से उनके अनुभव और गतिविधि से सीख के बारे में जानकारी प्राप्त करें। • ऐतिहासिक घटनाओं पर चर्चा को पाठ योजनाओं में शामिल कर उन पर अमल करे।

सप्ताह - 08

प्राण-3: विरासत पर गर्व

एक्शन प्रोजेक्ट: पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प कार्यशाला

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों को पारंपरिक भारतीय कला रूपों से परिचित कराना। • भारत की सांस्कृतिक विरासत में प्रशंसा और गर्व को प्रोत्साहित करना। • छात्रों को अपनी कलात्मक प्रतिभाओं को तलाशने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना।	• कला सामग्री (पेंट, ब्रश, कागज, मिट्टी, आदि) • मधुबनी पेंटिंग, वर्ली कला और मिट्टी के बर्तनों पर संदर्भ सामग्री। • कलाकृति को प्रदर्शित करने के लिए डिस्प्ले बोर्ड • भागीदारी के प्रमाण पत्र। • कार्यशाला कार्यक्रम और एजेंडा।

तैयारी का समय - 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय - 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: कार्यशालाओं में शामिल किए जाने वाले पारंपरिक कला रूपों की पहचान करें, जैसे कि मधुबनी पेंटिंग, वारली कला और मिट्टी के बर्तन।

चरण 2: दिनांक, समय और अवधि सहित कार्यशाला कार्यक्रम की योजना बनाएं।

चरण 3: गुणवत्ता और मात्रा सुनिश्चित करते हुए कला कार्यशालाओं के लिए आवश्यक सामग्री खरीदें।

चरण 4: पृष्ठभूमि और संदर्भ प्रदान करने के लिए कला विशेषज्ञों के साथ परिचयात्मक सत्र आयोजित करें।

चरण 5: कार्यशालाएँ आयोजित करना और छात्रों की भागीदारी की निगरानी करना तथा मार्गदर्शन प्रदान करना।

चरण 6: छात्रों की उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रचार करने के प्रचार करने के स्कूल परिसर में उनकी कलाकृतियाँ प्रदर्शित करें।

चरण 7: फीडबैक फॉर्म और टिप्पणियों का उपयोग करके कार्यशालाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करें।

चरण 8: पारंपरिक कलाओं में रुचि बनाए रखने के लिए कला प्रदर्शनियों या उन्नत कार्यशालाओं जैसी अनुवर्ती

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में पारंपरिक भारतीय कला की मूल्यांकन और समझ विकसित हुई। • छात्रों को पारंपरिक कलाकृतियाँ बनाने में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। • भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव और सम्मान में विदधि हुई।	• छात्रों की कलाकृतियों की गुणवत्ता और रचनात्मकता का निरीक्षण करें। • छात्रों से उनके सीखने के अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया एकत्र करें। • एक चिंतन सत्र आयोजित करें जहां छात्र साझा करें कि "उन्होंने क्या सीखा और कार्यशाला के बारे में उन्हें कैसा महसूस हुआ।"

प्राण-4: एकता

एक्शन प्रोजेक्ट: राष्ट्रीय हस्तियाँ

उद्देश्य

- समूहों में छात्र अपने चुने हुए राज्य के किसी ऐतिहासिक व्यक्ति से संबंधित किसी घटना/घटना के बारे में कहानियां लिखेंगे, जिसमें उनके महत्व, गुणों और बहादुरी पर प्रकाश डाला जाएगा।
- वे हमारे राष्ट्र के निर्माण में नायकों के संघर्ष और कड़ी मेहनत के बारे में जानेंगे।

सामग्री

- छात्रों के लिए सूचना प्रपत्र जो उनके शोध और कहानी कहने में एक मार्गदर्शक के रूप में काम करेगा।
- कहानी बनाने के लिए दिशानिर्देश।
- फीडबैक फॉर्म।

तैयारी का समय- 4-5 दिन
कार्यान्वयन का समय- 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: शिक्षकों को परियोजना का परिचय दें और उनका मार्गदर्शन करें।

चरण 2: छात्रों को कक्षा के आकार के आधार पर समूहों में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को एक अलग राज्य आवंटित करें।

चरण 3: प्रत्येक समूह को उनके निर्दिष्ट राज्य से स्थानीय गुमनाम नायकों से संबंधित एक ऐतिहासिक घटना/प्रसंग अधोक चुनने का निर्देश दें।

चरण 4: सुनिश्चित करें कि शिक्षक समूहों को अपनी घटनाओं/प्रसंगों को कहानी कहने की शैली में लिखने के लिए मार्गदर्शन करें, जिसमें उनकी लिपियों में पात्रों के महत्व, गुणों और नीरता पर प्रकाश डाला जाए।

चरण 5: शिक्षकों को छात्र समूहों को फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित करें, जब वे अपनी कहानियां और स्क्रिप्ट प्रस्तुत करें और उन्हें स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में मदद करेंगे।

चरण 6: सुनिश्चित करें कि एक सप्ताह के बाद, छात्र अपनी कहानियाँ कक्षा के सामने प्रस्तुत करें और शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक समूह को प्रस्तुत करने के लिए समान समय मिले।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों ने अपने देश के इतिहास और क्षेत्रीय हस्तियों के योगदान की गहरी समझ हासिल की। • इतिहास और सांस्कृतिक विरासत में छात्रों की कार्य-व्यस्तता और रुचि में वृद्धि हुई।	• सभी समूहों को अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए एक प्रतियोगिता आयोजित करें। • छात्रों और शिक्षकों से उनके प्रोजेक्ट के बारे में सीख और अंतर्दृष्टि एकत्रित करें। • कहानी कहने के सफल पहलुओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अंतर्दृष्टि का विश्लेषण करें।

दीन दयाल उपाध्याय

स्वामी विवेकानंद

रानी लक्ष्मी बाई

सुभाष चंद्र बोस

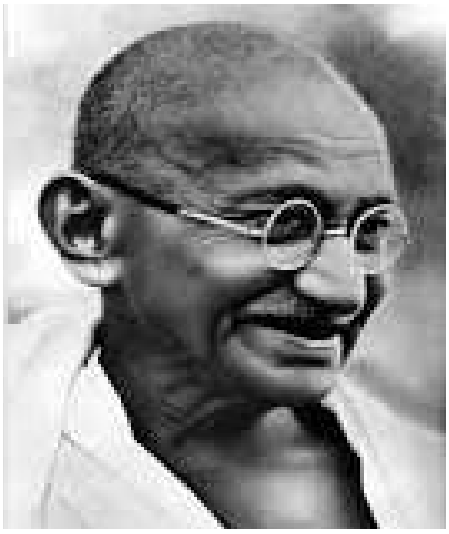

महात्मा गांधी

सप्ताह - 10

प्राण-5: नागरिकों में कर्तव्य की भावना

एक्शन प्रोजेक्ट: दयालुता की लहरें

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों को सामुदायिक सेवा में संलग्न करना। • बुजुर्गों और वंचितों के प्रति जिम्मेदारी और सहानुभूति की भावना को बढ़ावा देना।	• अनुमति पत्र • परिवहन व्यवस्था • वृद्धाश्रमों और अनाथालयों के लिए उपहार या आवश्यक वस्तुएँ • प्रतिबिंब पत्रिकाएँ

तैयारी का समय - 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय - 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: माता-पिता और अधिकारियों से आवश्यक अनुमति प्राप्त करें।

चरण 2: चयनित वृद्धाश्रम या अनाथालय में परिवहन की व्यवस्था करें।
(या)
स्थानीय सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों जैसे सार्वजनिक स्थानों की सफाई, दान अभियान आदि की योजना बनाएं।

चरण 3: सामुदायिक सेवा के महत्व और उन्हें निवासियों के साथ सम्मानपूर्वक कैसे बातचीत करनी चाहिए, इस पर चर्चा करके छात्रों को तैयार करें।

चरण 4: सुविधा स्थान पर जाएँ और गायन, पढ़ने या खेल खेलने जैसी गतिविधियों के माध्यम से निवासियों के साथ जुड़ें।
(या)
यदि मुलाकात संभव न हो तो प्रशंसा पत्र लिखना, सुरक्षा पोस्टर बनाना या सामाजिक कर्तव्यों में भूमिका निभाना जैसी गतिविधियों में संलग्न रहें।

चरण 5: सद्भावना के संकेत के रूप में उपहार या आवश्यक वस्तुएं वितरित करें।

चरण 6: लौटने के पश्चात, एक प्रतिबिंब सत्र रखें जहां छात्र अपने अनुभव साझा करते हैं और अपने प्रतिबिंब पत्रिकाओं में लिखते हैं।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में सहानुभूति और सामुदायिक जिम्मेदारी की अधिक भावना विकसित होने में वृद्धि हुई। • छात्र दूसरों की मदद करने का महत्व सीखना।	• यात्रा के आधार पर, छात्रों और सुविधा कर्मचारियों से अंतर्दृष्टि एकत्र करें। • विशिष्ट मापदंडों के आधार पर छात्रों की सहभागिता और बातचीत का आकलन करें। • एक चिंतन सत्र आयोजित करें और छात्रों की सीख को समझने के लिए उनकी पत्रिकाओं की समीक्षा करें।

सप्ताह - 11

प्राण-1: विकसित भारत का लक्ष्य

एक्शन प्रोजेक्ट: डिजिटल साक्षरता

उद्देश्य	सामग्री
आज के डिजिटल युग में छात्रों को उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक डिजिटल कौशल और ज्ञान से लैस करना।	• साप्ताहिक कार्यशालाओं के लिए डिजिटल विशेषज्ञों की सूची • घर पर डिजिटल साक्षरता में सुधार के लिए सुझाव साझा करने के लिए संसाधन।

तैयारी का समय- 1-2 दिन
कार्यान्वयन का समय- 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: स्टाफ मीटिंग- डिजिटल साक्षरता के महत्व पर चर्चा करने और परियोजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित करें।

चरण 2: सुबह की सभा- सुबह की सभा में छात्रों को डिजिटल साक्षरता के महत्व के बारे में संबोधित करें और नई रणनीतियों से परिचित कराएं।

चरण 3: साप्ताहिक कार्यशालाएँ- छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए साप्ताहिक डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएँ आयोजित करने के लिए डिजिटल विशेषज्ञों को आमंत्रित करें।

चरण 4: पीएम ई-विद्या- शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दें कि छात्र डिजिटल साक्षरता पर पीएम ई-विद्या सामग्री देख रहे हैं।

चरण 4: इंटरैक्टिव सत्र- इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करें जहां छात्र डिजिटल कौशल का अभ्यास कर सकें।

चरण 5: माता-पिता की भागीदारी - घर पर डिजिटल साक्षरता का समर्थन करने के तरीके पर माता-पिता के साथ सुझाव साझा करें (व्हाट्सएप ग्रुप, ईमेल, पीटीएम आदि के माध्यम से)।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र डिजिटल साक्षरता के महत्व को समझा। • छात्र साप्ताहिक विशेषज्ञ कार्यशालाओं के माध्यम से अपने डिजिटल कौशल को बढ़ाएंगे और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से सीखे गए कौशल का अभ्यास करेंगे।	• साप्ताहिक विशेषज्ञ कार्यशालाओं में सीखने के प्रक्षेप पथ (प्रारंभ और पूर्ण के माध्यम से) की निगरानी और रिकॉर्ड करें। इन्हें मापने के मानदंड टाइपिंग, इंटरनेट ब्राउजिंग, ई-मेल का उपयोग आदि हो सकते हैं। • पीटीएम के माध्यम से माता-पिता द्वारा प्रदान की जा रही डिजिटल साक्षरता सहायता को ट्रैक करें।

सप्ताह - 12

प्राण-2: गुलामी की हर सोच से मुक्ति

एक्शन प्रोजेक्ट: अपनी स्थानीय संस्कृति को जानें

उद्देश्य	सामग्री
• इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से छात्रों को सम्मानित समुदाय के सदस्यों के साथ जोड़कर स्थानीय संस्कृति पर गर्व पैदा करना।	• औपचारिक निमंत्रण। • शेड्यूलिंग और स्थल तैयारी सामग्री। • प्रस्तुतियों के लिए श्रव्य-दृश्य उपकरण। • छात्रों के लिए नोटबुक।

तैयारी का समय - 2 दिन
कार्यान्वयन का समय - 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: सत्र से पहले: उद्देश्यों को परिभाषित करने और इंटरैक्टिव सत्रों के लिए एक रूपरेखा विकसित करने के लिए शिक्षकों के साथ एक बैठक बुलाएं।

चरण 2: सत्र से पहले: सम्मानित समुदाय के सदस्यों या सांस्कृतिक विशेषज्ञों को चुनने का कार्य शिक्षकों को सौंपें जो स्थानीय परंपराओं, इतिहास और रीति-रिवाजों के बारे में जानकारी साझा कर सकें। (स्थानीय इतिहासकार, पारंपरिक कलाकार और शिल्पकार, लोक संगीतकार और नर्तक, बुजुर्ग)।

चरण 3: सत्र से पहले: चयनित समुदाय के सदस्यों को समझाते हुए औपचारिक निमंत्रण भेजें।
पहल का उद्देश्य और उनकी अपेक्षित भूमिका।

चरण 4: सत्र से दौरान: सत्रों के लिए आवश्यक साजो सामान (लोजिस्टिक) की व्यवस्था करें।

चरण 5: सत्र से दौरान: प्रत्येक सत्र का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करें।

चरण 6: सत्र के बाद महत्वपूर्ण जानकारी रिकार्ड करें।

चरण 7: सत्र से बाद: पहल के प्रभाव का आकलन करने और भविष्य में सुधार के लिए सुझाव इकट्ठा करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों के साथ फीडबैक सत्र आयोजित करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में अपनी स्थानीय संस्कृति के प्रति गर्व और प्रशंसा की भावना विकसित होगी। • छात्रों को स्थानीय परंपराओं, इतिहास और रीति-रिवाजों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।	• फीडबैक फॉर्म का उपयोग करके छात्रों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों से फीडबैक एकत्र करें। • अवलोकन चेकलिस्ट में शामिल हैं: सक्रिय भागीदारी, छात्र-नेतृत्व वाली पहल, लघु प्रश्नोत्तरी पूर्व और पोस्ट। • सत्रों की गुणवत्ता और प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए रिकॉर्ड की गई अंतर्दृष्टि और अनुभवों की समीक्षा करें। • फीडबैक पर चर्चा करने और एकत्रित सुझावों के आधार पर भविष्य की सांस्कृतिक पहल की योजना बनाने के लिए एक विचार सत्र आयोजित करें।

सप्ताह - 13

प्राण-3: विरासत पर गर्व

एक्शन प्रोजेक्ट: कार्य पर महत्वता

उद्देश्य	सामग्री
• विभिन्न पर आकर्षक सह-विषयक के माध्यम से हमारे देश की विरासत में गर्व की गहरी भावना पैदा करना।	• भारत के मौलिक और संवैधानिक मूल्यों सहित विभिन्न विषयों पर अध्ययन सामग्री • प्रतियोगिताओं के लिए आवश्यक साजो सामान की व्यवस्था

तैयारी का समय - 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय - 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: प्रतियोगिताओं के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं (उदाहरणार्थ भाषण, चुनना और बोलना, बहस) और विभिन्न विषयों (उदाहरण के लिए, समावेशिता, समानता बनाम साम्यता, संवैधानिक मूल्य, मौलिक मूल्य) की योजना बनाएं और तैयार करें।

चरण 2: छात्रों को तैयारी में मदद करने के लिए अध्ययन सामग्री (कक्षा पाठ, पुस्तकालय कहानियाँ, आदि) प्रदान करें।

चरण 3: बेहतर समन्वय के लिए शिक्षकों और छात्रों की मदद से आवश्यक लॉजिस्टिक व्यवस्था करें।

चरण 4: प्रतियोगिताओं के लिए माता-पिता, समुदाय के सदस्यों और अन्य विशेषज्ञों को आमंत्रित करें।

चरण 5: योजना के अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन करें, यह सुनिश्चित करें कि सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलें।

चरण 6: प्रतिभागियों, दर्शकों और अतिथि वक्ताओं को सम्मानित करें, उनकी सराहना करें और उनके योगदान को स्वीकार करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों की समतामूलक, समावेशी और बहुलवादी समाज के निर्माण की अवधारणाओं को सीखेंगे और लागू करेंगे।	• निरीक्षक सूची में (चेकलिस्ट) में पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग, तर्कों की गुणवत्ता, सहकर्मी-सुविधा, विषयों के साथ निरंतर जुड़ाव और कई अन्य शामिल हो सकते हैं। • प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों से प्रतियोगिताओं से उनकी टिप्पणियों और सीखों के बारे में प्रशंसापत्र एकत्र करें।

सप्ताह - 14

प्राण-4: एकता

एक्शन प्रोजेक्ट: मेरी संस्कृति मेरा गौरव: सांस्कृतिक प्रदर्शनी

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के बारे में अधिक जानने के लिए प्रोत्साहित करना। • विविध परंपराओं के उत्सव के माध्यम से छात्रों के बीच गर्व और एकता की भावना को बढ़ावा देना।	• प्रदर्शनी स्थल (कक्षाएँ, हॉल, या खुला मैदान) • प्रदर्शन के लिए टेबल और डिस्प्ले बोर्ड • प्रदर्शन बनाने के लिए कला की आपूर्ति (मार्कर, पेंट, पोस्टर, आदि) • प्रदर्शन के लिए श्रव्य-दृश्य उपकरण • समुदाय के सदस्यों, स्थानीय प्रतिनिधियों और अभिभावकों के लिए निमंत्रण • प्रशंसापत्र के लिए फीडबैक फॉर्म और नोटबुक

तैयारी का समय - 2-3 दिन
कार्यान्वयन का समय - 2 दिन

प्रक्रिया

- **<u>प्रदर्शनी से पहले</u>**

चरण 1: छात्रों को सांस्कृतिक प्रदर्शनी के बारे में बताएं और उन्हें अद्वितीय सांस्कृतिक वस्तुएं (जैसे, गीत, नृत्य, शिल्प, व्यंजन) लाने का निर्देश दें।

चरण 2: शिक्षकों को प्रत्येक कक्षा में समूह बनाने का निर्देश दें, प्रत्येक समूह एक अवधारणा (जैसे, स्थानीय भोजन, उपकरण) पर ध्यान केंद्रित करे।

चरण 3: जानकारी और वस्तुएं इकट्ठा करने के लिए बड़ों और समुदाय से मदद लेने के लिए छात्रों से संवाद करें।

चरण 4: शिक्षकों को छात्रों की तैयारियों की समीक्षा करने, स्क्रिप्ट को परिष्कृत करने और रिहर्सल आयोजित करने का निर्देश दें।

चरण 5: समुदाय के सदस्यों, स्थानीय प्रतिनिधियों और अभिभावकों को कार्यक्रम में आमंत्रित करें।

चरण 6: लॉजिस्टिक्स की योजना बनाएं और अंतिम व्यवस्था के लिए शिक्षकों और छात्रों को कार्य आवंटित करें।

- **<u>प्रदर्शनी के दौरान</u>**

चरण 1: प्रदर्शनी का आयोजन करें, यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक समूह के पास अपने प्रदर्शन के लिए पर्याप्त जगह हो।

चरण 2: छात्रों को अपने प्रदर्शन प्रस्तुत करने और सांस्कृतिक महत्व समझाने का निर्देश दें।

चरण 3: भारत की ताकत के रूप में विविधता और स्थानीय नवाचार के संदेश को दोहराते हुए प्रदर्शन का कार्यक्रम तय करें।

- **<u>प्रदर्शनी के बाद</u>**

चरण 1: प्रदर्शनी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए प्रतिभागियों और छात्रों से प्रतिक्रिया और प्रशंसापत्र एकत्र करें।

चरण 2: छात्रों और शिक्षकों के साथ घटना पर विचार करें और चर्चा करें कि उन्होंने क्या सीखा और अनुभव के बारे में उन्हें कैसा महसूस हुआ।

चरण 3: सांस्कृतिक विरासत में रुचि बनाए रखने के लिए अनुवर्ती गतिविधियों की योजना बनाएं, जैसे सांस्कृतिक क्लब या नियमित सांस्कृतिक दिवस।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में अपनी और दूसरों की सांस्कृतिक विरासत की गहरी समझ और सराहना विकसित होगी। • वे विविध परंपराओं को मनाकर गर्व और एकता की भावना को बढ़ावा देंगे।	• प्रदर्शनी पर छात्रों और आगंतुकों की राय जानने के लिए फीडबैक फॉर्म का उपयोग करें। • प्रदर्शनी के दौरान छात्रों की भागीदारी और सहभागिता का निरीक्षण करें। • प्रदर्शनी के समग्र प्रभाव और सीख का आकलन करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के साथ अनुवर्ती चर्चा आयोजित करें।

प्राण-5: नागरिकों में कर्तव्य की भावना

एक्शन प्रोजेक्ट: नागरिक उत्तरदायित्व कार्यशाला

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों को उनके नागरिक कर्तव्यों और नैतिक व्यवहार के बारे में शिक्षित करना। • दैनिक जीवन में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के महत्व को बढ़ावा देना।	• प्रस्तुति सामग्री (प्रोजेक्टर, लैपटॉप) • भूमिका निभाने में प्रयुक्त रंगमंचीय सामग्री • नागरिक कर्तव्यों और नैतिकता पर मुद्रित हैंडआउट • फीडबैक फॉर्म • कार्यशाला कार्यक्रम और एजेंडा

तैयारी का समय- 1-2 दिन
कार्यान्वयन समय- 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: दिनांक, समय और अवधि सहित नागरिक जिम्मेदारी कार्यशाला कार्यक्रम की योजना बनाएं।

चरण 2: नागरिक कर्तव्यों, नैतिकता और ईमानदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्यशालाओं के लिए मुख्य विषयों और वक्ताओं की पहचान करें। उदाहरण: प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पर जागरूकता सत्र, दूसरों की मदद करने का महत्व, अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना, ईमानदार और भरोसेमंद होना, दूसरों का सम्मान करना, एक अच्छा दोस्त बनना, नियमों का पालन करना और निष्पक्ष खेल।

चरण 3: कार्यशाला सामग्री और संसाधन जैसे प्रस्तुतियाँ, हैंडआउट्स और भूमिका-निभाने वाले परिदृश्य तैयार करें।

चरण 4: कार्यशालाओं का संचालन करें, छात्रों को नागरिक जिम्मेदारियों के बारे में इंटरैक्टिव चर्चाओं में शामिल करें।

चरण 5: नागरिक जिम्मेदारी के वास्तविक जीवन अनुप्रयोगों को चित्रित करने के लिए भूमिका-निर्वाह परिदृश्य और चर्चाएँ व्यवस्थित करें।

चरण 6: फीडबैक फॉर्म और टिप्पणियों का उपयोग करके कार्यशालाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करें।

चरण 7: सामुदायिक सेवा परियोजनाओं जैसी नागरिक जिम्मेदारी अवधारणाओं को सुदृढ़ करने के लिए अनुवर्ती गतिविधियों की योजना बनाएं।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र अपने नागरिक कर्तव्यों को स्पष्ट रूप से समझेंगे। • विभिन्न स्थितियों में नैतिक व्यवहार के बारे में जागरूकता में वृद्धि।	• कार्यशाला पर छात्रों की राय इकट्ठा करने के लिए फीडबैक फॉर्म का उपयोग करें। • अल्पकालिक प्रश्नोत्तरी के बाद भूमिका निभाने वाले परिदृश्यों के दौरान छात्रों की भागीदारी और जुड़ाव का निरीक्षण करें। • प्रमुख अवधारणाओं की अवधारण का आकलन करने के लिए अनुवर्ती चर्चा आयोजित करें।

सप्ताह - 16

प्राण-1: विकसित भारत का लक्ष्य

एक्शन प्रोजेक्ट:पोषण उद्यान

उद्देश्य	सामग्री
• एक स्थायी स्कूल उद्यान बनाना और पर्यावरण जागरूकता और स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देना।	• सूचना पुस्तिका • उद्यान स्थापित करने हेतु दिशानिर्देश • हार्डवेयर सामग्री (कुदाल, पानी के डिब्बे, फावड़ा) • फीडबैक फॉर्म

तैयारी का समय- 5 दिन
कार्यान्वयन का समय- 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: एक दीर्घकालिक उद्यान विकसित करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए इको-क्लब के सदस्यों और जीव विज्ञान/विज्ञान शिक्षकों के साथ एक बैठक आयोजित करें।

चरण 2: स्कूल के बगीचे में आसानी से दीर्घकालिक पौधों के रोपण पर चर्चा करने के लिए इको-क्लब के सदस्यों और स्थानीय किसानों और बागवानों के साथ एक बैठक आयोजित करें।

चरण 3: मंथन करें और क्षेत्र की जलवायु और मिट्टी के साथ-साथ मानव शरीर के लिए पोषण और स्वास्थ्य लाभों के अनुसार बगीचे के लिए आठ उपयुक्त पौधों का चयन करें।

चरण 4: टिकाऊ पौधों (जलवायु, मिट्टी, पोषण) पर आवश्यक जानकारी का भंडार सुनिश्चित करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों को विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जिससे जिज्ञासा बढ़ती है। • बागवानी पोषण जागरूकता और पर्यावरण सहानुभूति को बढ़ावा देती है। • यह टिकाऊ परियोजनाओं में टीम वर्क को बढ़ावा देता है।	• फीडबैक फॉर्म का उपयोग करके छात्रों और शिक्षकों से फीडबैक एकत्र करें। • अवलोकन चेकलिस्ट में जलवायु और मिट्टी के आधार पर पौधों के चयन, रोपण तकनीक, टिकाऊ बागवानी आदि पर ज्ञान शामिल हो सकता है। • अभियान के सफल पहलुओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए फीडबैक का विश्लेषण करें।

सप्ताह - 17

प्राण -2: औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को हटाना

एक्शन प्रोजेक्ट: भारतीय संवैधानिक मूल्यों को डिकोड करना

उद्देश्य	सामग्री
छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना और उन्हें इन मूल्यों के प्रति समझ और अभिग्रहण को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना।	• संवैधानिक मूल्यों पर एनिमेटेड वीडियो. • संवैधानिक मूल्यों पर सूचना पोस्टर। • कक्षा की गतिविधियों के लिए चार्ट और मार्कर। • प्रहसन प्रतियोगिता के लिए साज-सामान और पोशाकें।

तैयारी का समय- 1-2 दिन
कार्यान्वयन का समय- 3 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: स्टाफ मीटिंग- छात्रों को संवैधानिक मूल्यों को पढ़ाने के महत्व पर चर्चा करने के लिए स्टाफ मीटिंग आयोजित करें।

चरण 2: संवैधानिक मूल्यों का परिचय-छात्रों को संवैधानिक मूल्यों का परिचय देने के लिए एक एनिमेटेड वीडियो दिखाएं।

चरण 3: जागरूकता पोस्टर- स्कूल के चारों ओर संवैधानिक मूल्यों पर सूचना पोस्टर प्रदर्शित करें।
चरण 4: प्रतिष्ठित व्यक्ति- संवैधानिक मूल्यों पर प्रात:कालीन सभा को संबोधित करने के लिए प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित करें कि छात्र उन्हें अपने दैनिक जीवन में कैसे कायम रख सकते हैं।

चरण 5: इंटरएक्टिव चार्ट- छात्रों के लिए कक्षाओं में चार्ट लगाएं ताकि वे उन संवैधानिक मूल्यों को लिख सकें जिनका वे पालन करते हैं।

चरण 6: लघु नाटय प्रतियोगिता- उन परिदृश्यों को प्रदर्शित करते हुए एक लघु नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन करें जहां संवैधानिक मूल्यों को बरकरार रखा गया है।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता और समझ में वृद्धि। • संवैधानिक मूल्यों से संबंधित चर्चाओं एवं गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी। • छात्रों के व्यवहार में सुधार दैनिक जीवन में संवैधानिक मूल्यों को अपनाने को दर्शाता है।	• संवैधानिक मूल्यों के साथ उनकी समझ और जुड़ाव पर शिक्षकों और छात्रों से प्रतिक्रिया प्राप्त करें। • इंटरैक्टिव चार्ट और नाटय प्रतियोगिता में छात्रों के योगदान की गुणवत्ता और रचनात्मकता का आकलन करें। • संवैधानिक मूल्यों के अभ्यास के साक्ष्य के लिए छात्रों के व्यवहार और बातचीत की निगरानी करें।

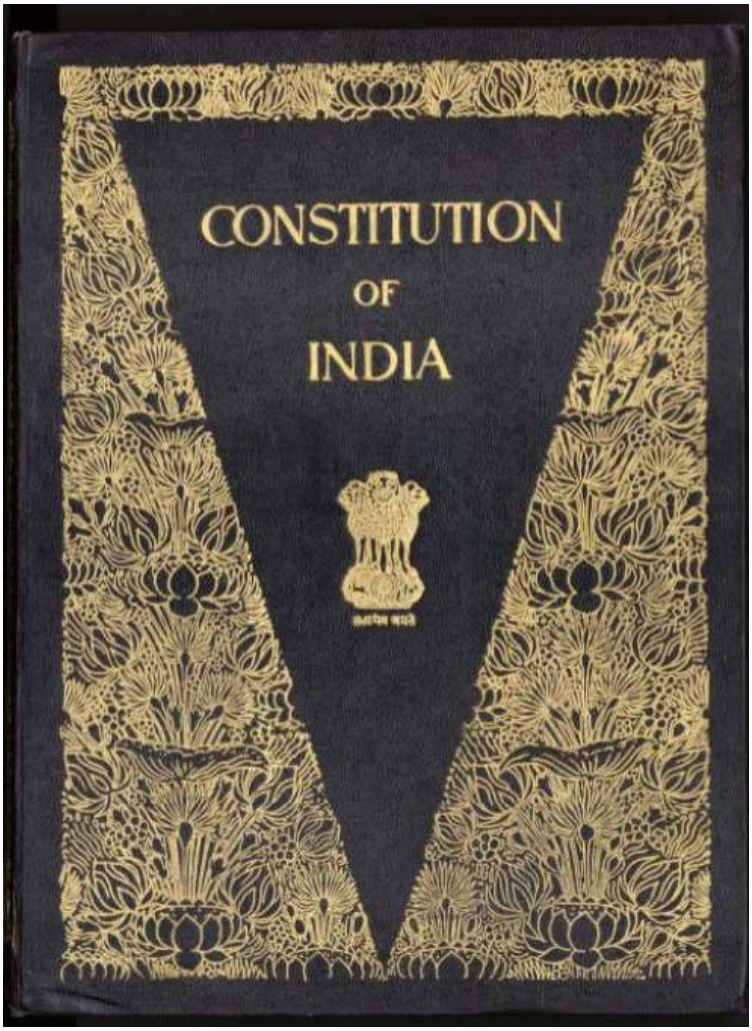

प्राण -3: विरासत पर गर्व

एक्शन प्रोजेक्ट: आधुनिक भारत के निर्माताओं की सराहना

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों को भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों द्वारा किए गए कार्यों के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित करना। • भारत की विरासत पर गर्व को बढ़ावा देना।	• विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की तरह पोशाकें और साज-सामान • संदर्भ सामग्री • प्रस्तुति सामग्री (वीडियो के लिए प्रोजेक्टर, लैपटॉप) • प्रशंसापत्र के लिए फीडबैक फॉर्म और नोटबुक • प्रतिभागियों के लिए प्रमाणपत्र या पुरस्कार

तैयारी का समय - 2-3 दिन
कार्यान्वयन का समय - 1 दिन

प्रक्रिया

<u>प्रदर्शन से पहले:</u>
चरण 1: शिक्षकों को प्रदर्शन योजना के बारे में संक्षिप्त जानकारी दें, एक समयरेखा निर्धारित करें और छात्रों को सौंपे गए कार्यों के साथ समूहों में व्यवस्थित करें।
चरण 2: छात्र समूहों के लिए निर्देश:
- प्रत्येक समूह को प्राचीन भारत से एक महत्वपूर्ण व्यक्तित्व (जैसे, आर्यभट्ट, चरक, तुलसीदास आदि) के बारे में जानकारी प्राप्त करने को कहा जाएगा।
- समूह अपने निर्दिष्ट व्यक्तित्व पर शोध करेंगे, उनके योगदान के बारे में 5 मिनट का भाषण तैयार करें और एक सदस्य व्यक्तित्व के रूप में तैयार होकर आएगा।

चरण 3: शिक्षकों को पठन सामग्री या वीडियो प्रदान करके छात्रों को प्रस्तुति की तैयारी में मदद करने का निर्देश दें।
चरण 4: समुदाय के सदस्यों, स्थानीय प्रतिनिधियों और अभिभावकों को आमंत्रित करें।
चरण 5: लॉजिस्टिक्स की योजना बनाएं और शिक्षकों और छात्रों को कार्य आवंटित करें।
<u>प्रदर्शन के दौरान:</u>
चरण 1: प्रस्तुतियों को नियोजित कार्यक्रम के अनुसार व्यवस्थित करें।
चरण 2: छात्रों का भारत के विकास में इन हस्तियों के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए अपनी प्रस्तुतियाँ साझा करेंगे।
चरण 3: भारतीय विरासत के महत्व पर पुन: जोर दें और प्रदर्शन के समापन पर भाग लेने वाले छात्रों की सराहना करें और उन्हें पुरस्कृत करें।

<u>प्रदर्शन के बाद</u>:
चरण 1: छात्रों की प्रतिक्रिया और प्रशंसापत्र एकत्र करें और घटना पर विचार करें।
चरण 2: भारतीय इतिहास और विरासत में रुचि बनाए रखने के लिए अनुवर्ती गतिविधियों की योजना बनाएं, जैसे इतिहास क्लब या नियमित ऐतिहासिक व्यक्ति दिवस।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों के प्रति गहरी समझ और सराहना विकसित होगी। • वे भारत की विरासत पर गर्व की भावना को बढ़ावा देंगे।	• प्रदर्शन पर छात्रों और आगंतुकों की राय इकट्ठा करने के लिए फीडबैक फॉर्म का उपयोग करें। • छात्र नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से प्रस्तुतियों और पोस्ट गतिविधि के दौरान छात्रों की भागीदारी और जुड़ाव का निरीक्षण करें। • प्रदर्शन के समग्र प्रभाव और सीख का आकलन करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के साथ अनुवर्ती चर्चा आयोजित करें।

रवीन्द्रनाथ टैगोर

सवित्री बाई फुले

सरदार वल्लभभाई पटेल

सप्ताह - 19

प्राण -4: एकता

एक्शन प्रोजेक्ट: विविधता की पुस्तक

उद्देश्य	सामग्री
"विविधता की पुस्तक" शीर्षक से एक पुस्तिका बनाना, जिसमें उनके चुने हुए राज्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी शामिल होगी। यह परियोजना सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देगी और छात्रों को भारत के प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की विविधता के बारे में जानने में मदद करेगी।	• चुने गए राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की जानकारी। • पुस्तिका बनाने हेतु दिशानिर्देश. • फीडबैक फॉर्म.

तैयारी का समय- 5 दिन
कार्यान्वयन का समय- 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: शिक्षकों को परियोजना का परिचय दें और उनका मार्गदर्शन करें।

चरण 2: विविधता पर पुस्तिका के असाइनमेंट के बारे में छात्रों को एक सप्ताह पहले सूचित करें।

चरण 3: सुनिश्चित करें कि शिक्षक छात्रों को एक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश चुनें या उन्हें चुनने दें।

चरण 4: छात्रों को अपनी पुस्तिकाओं के लिए जानकारी, चित्र, चित्र और सामग्री इकट्ठा करने का निर्देश दें।

चरण 5: साथियों के साथ सीखने के लिए छात्रों के बीच पुस्तिकाओं के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करें और वे एक-दूसरे को फीडबैक देंगे।

चरण 6: घटना के बारे में छात्रों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया एकत्र करें और भविष्य में सुधार के लिए मुख्य निष्कर्षों की पहचान करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र भारत के विविध राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बारे में जागरूकता हासिल करेंगे। • वे सहयोग और एकता को बढ़ावा देते हुए समूह कार्य में संलग्न होंगे।	• फीडबैक फॉर्म का उपयोग करके शिक्षकों द्वारा छात्रों से फीडबैक एकत्र करें। • एक्सचेंज के सफल पहलुओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए फीडबैक का विश्लेषण करें

सप्ताह - 20

प्राण -5: नागरिकों में कर्तव्यपालन की भावना

एक्शन प्रोजेक्ट: युवा संसद

उद्देश्य	सामग्री
• वाद-विवाद के कौशल का विकास करना। • भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली पर छात्रों को शिक्षित करना।	• घटना अनुसूचक कार्यक्रम के लिए कैलेंडर में तिथि सुनिश्चित करना। • लोकतंत्र और भारतीय संसद पर पुस्तकें, लेख और मल्टीमीडिया संसाधन। • संसद के भीतर भूमिका विवरण और जिम्मेदारियाँ। • संसदीय नियमों और प्रक्रियाओं पर शैक्षिक हैंडआउट्स

तैयारी का समय- 4-5 दिन
कार्यान्वयन का समय- 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: एक योजना समिति बनाएं और शिक्षकों के साथ कार्यक्रमों की तारीखें निर्धारित करें।
चरण 2: सामाजिक विज्ञान शिक्षक को लोकतंत्र और भारतीय संसदों पर सामग्री एकत्र करने, स्कूल के संदर्भ के अनुसार सत्र योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने और संसद में विभिन्न भूमिकाओं पर निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करें।
चरण 3: शिक्षकों को भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली के बारे में रुचि और ज्ञान के आधार पर छात्रों का चयन करने और उन्हें उनकी भूमिकाओं के बारे में जानकारी देने का निर्देश दें।
चरण 4: छात्रों को संसदीय नियमों और प्रक्रियाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए सामाजिक विज्ञान शिक्षक का मार्गदर्शन करें।
चरण 5: छात्रों के लिए वाद-विवाद पर पाठ निर्धारित करें और तय करें कि छात्र संसद में कौन से मुद्दे उठाना चाहते हैं।
चरण 6: छात्रों के लिए अभ्यास के लिए सत्र आयोजित करें।
चरण 7: शिक्षकों को छात्रों को व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान करने का निर्देश दें।
चरण 8: स्कूल समन्वयक को सभी साज-सज्जा - स्थल, माइक, स्पीकर, कुर्सियाँ और मेज की व्यवस्था करने का निर्देश दें।
चरण 9: निर्धारित तिथि पर विद्यालय में संसद का आयोजन करें।
चरण 10: सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले का चयन करें और प्रमाणपत्र वितरित करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और भारतीय संसद की कार्यप्रणाली की गहरी समझ हासिल हुई।	• छात्रों के अनुभव एकत्र करने के लिए फीडबैक फॉर्म का उपयोग करें। • सामग्री निर्माण गतिविधि के दौरान छात्रों की भागीदारी और सहभागिता का निरीक्षण करें। • अवलोकन चेकलिस्ट में संसदीय नियमों और प्रक्रियाओं का पालन, सौंपी गई भूमिकाओं में प्रभावशीलता, लोकतंत्र के बारे में ज्ञान आदि शामिल हो सकते हैं।

सप्ताह - 21

प्राण -1: विकसित भारत का लक्ष्य

एक्शन प्रोजेक्ट: स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान

उद्देश्य	सामग्री
एक केंद्रित स्वास्थ्य और स्वच्छता शिक्षा पहल के माध्यम से छात्रों को आवश्यक स्वच्छता प्रथाओं पर शिक्षित करना और स्वच्छता और कल्याण की जीवन पर्यन्त आदतें विकसित करना।	• स्वच्छता किट (साबुन, हैंडवाश, सैनिटाइज़र, टूथब्रश, आदि) • शैक्षिक सामग्री (पोस्टर, पैम्फलेट, वीडियो) • विचार पत्रिकाएँ

तैयारी का समय- 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय- 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: सत्र से पहले: अभियान के उद्देश्यों और योजना की रूपरेखा तैयार करने के लिए शिक्षकों के साथ एक बैठक आयोजित करें।

चरण 2: सत्र के दौरान: उचित हाथ धोने, स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता तकनीकों सहित आवश्यक स्वच्छता प्रथाओं पर छात्रों को शिक्षित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को आमंत्रित करें।

चरण 3: सत्र के दौरान: स्कूल परिसर में स्वच्छता किट (साबुन, हैंडवाश, सैनिटाइज़र, आदि) डालें और छात्रों को घर पर भी इन स्वच्छता आदतों का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करें।

चरण 4: सत्र के दौरान: शिक्षकों को स्वच्छता अभ्यास को सुदृढ़ करने का निर्देश दें

चरण 5: सत्र के बाद: अभियान की प्रगति का आकलन करने और किसी भी चुनौती का समाधान करने के लिए शिक्षकों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के साथ मासिक बैठकें आयोजित करें।

चरण 6: इसके बाद: छात्रों और शिक्षकों से मिले फीडबैक के माध्यम से अभियान के परिणामों और प्रभाव का दस्तावेजीकरण और विश्लेषण करें।

चरण 7: बाद में: एक निर्धारित अवधि (उदाहरण के लिए, छह महीने) के बाद, एक विचार सत्र आयोजित करें जहां छात्र अपने अनुभव और सीख साझा करेंगे, और अपने लेख विचार पत्रिकाओं में लिखेंगे।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में व्यक्तिगत स्वच्छता की बेहतर समझ विकसित होगी और वे आजीवन स्वच्छता की आदतें बनाए रखेंगे।	• छात्रों, शिक्षकों और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों से प्रतिक्रिया एकत्र करें। • अभियान के समग्र प्रभाव की समीक्षा और चर्चा करने के लिए छात्रों और शिक्षकों के साथ एक प्रतिबिंब सत्र आयोजित करें। • अवलोकन परीक्षण सूची में कक्षा अवलोकन, अनुवर्ती सत्र के बाद और माता-पिता के माध्यम से सर्वेक्षण, छात्रों के नेतृत्व में नए स्वच्छता संबंधी अभियानों को ट्रैक करना आदि शामिल हो सकते हैं।

सप्ताह - 22

प्राण -2: गुलामी की हर सोच से मुक्ति

एक्शन प्रोजेक्ट: आत्मनिर्भर गांव (निबंध प्रतियोगिता)

उद्देश्य	सामग्री
गांवों की स्वदेशी आत्मनिर्भर प्रथाओं के इतिहास को समझकर आधुनिक युग में विकास को बढ़ावा देना।	• प्रतियोगिता के लिए आवश्यक स्टेशनरी जैसे नोटबुक, पेन/पेपर, स्कोर शीट, प्रमाण पत्र।

तैयारी का समय - 5 दिन
कार्यान्वयन का समय - 1 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: 'एक आत्मनिर्भर गांव की कल्पना' के आधार पर निबंध प्रतियोगिता के लिए व्यापक विषयों और जीतने वाले मापदंडों की योजना बनाएं।

चरण 2: सुबह की सभा जैसे बड़े स्थान पर छात्रों को प्रतियोगिता के बारे में सूचित करें।

चरण 3: कक्षा के घंटों के दौरान भी छात्रों की सहायता करें, किसी विषय को अंतिम रूप देने और प्रतियोगिता के लिए प्रासंगिक सामग्री पर शोध करने के लिए उनका मार्गदर्शन करें।

चरण 4: प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए तारीख, समय और अन्य तार्किक विवरणों को अंतिम रूप दें।

चरण 5: प्रतियोगिता आयोजित करें और भाग लेने वाले सभी छात्रों की सराहना करें। प्रतियोगिता विभिन्न आयु समूहों के बीच हो सकती है जहां प्रतिभागी विभिन्न रचनात्मक माध्यमों में खुद को अभिव्यक्त करते हैं।

चरण 6: पूर्व निर्धारित मापदंडों के आधार पर प्रतियोगिता के विजेता का चयन करें।

चरण 7: पीटीएम या सुबह की सभा जैसी अगली बड़ी बैठक में विजेताओं की घोषणा करें और प्रशंसा के छोटे-छोटे टोकन प्रदान करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र सीखेंगे कि कैसे स्वदेशी प्रथाएं टिकाऊ जीवन का समर्थन करती हैं। • वे अच्छी तरह से शोधित जानकारी के साथ प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।	• प्रतियोगिता के निबंधों का मूल्यांकन इन मापदंडों के माध्यम से किया जाएगा: विषय से संबंध की स्पष्टता और अन्वेषण की गहराई, अद्वितीय दृष्टिकोण, मौलिकता, माध्यम का अभिनव उपयोग आदि।

सप्ताह - 23

प्राण -3: हमारे विरासत पर गर्व

एक्शन प्रोजेक्ट: विरासत भ्रमण

उद्देश्य	सामग्री
एक विरासत भ्रमण का आयोजन करना जो छात्रों को सांस्कृतिक विरासत की सराहना करने और स्थानीय इतिहास पर गर्व करने में मदद करता है।	• स्टाफ मीटिंग के लिए कार्य सूची और नोट्स। • कक्षा शिक्षकों के लिए परियोजना अवलोकन दस्तावेज़। • प्रारंभिक अनुसंधान के लिए दिशानिर्देश. • छात्र अनुसंधान का मार्गदर्शन करने के लिए अनुसंधान सांचा या कार्यपत्रक। • प्रतिपुष्टी फ़ार्म

तैयारी का समय- 2-3 दिन
कार्यान्वयन का समय- 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: हेरिटेज वॉक/विज़िट की योजना पर चर्चा करने के लिए एक स्टाफ मीटिंग आयोजित करें।

चरण 2: छात्रों को प्रोजेक्ट से परिचित कराने और समूह बनाने के लिए कक्षा शिक्षकों का मार्गदर्शन करें।

चरण 3: प्रत्येक छात्र समूह को उसके इतिहास महत्व और मुख्य विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उनकी निर्दिष्ट साइटों पर प्रारंभिक शोध करने के लिए प्रोत्साहित करें।

चरण 4: यात्राओं का कार्यक्रम तय करने और परिवहन की व्यवस्था करने के लिए स्थानीय साइट और संग्रहालयों के साथ समन्वय करें। दूरदराज के क्षेत्रों के लिए डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग जैसे विकल्प उपयुक्त हो सकते हैं।

चरण 5: शिक्षकों के साथ सुरक्षा दिशानिर्देशों की समीक्षा करें।

चरण 6: विरासत स्थल/संग्रहालय/ऐतिहासिक स्थलचिह्न पर निर्देशित सैर प्रदान करें।

चरण 7: छात्रों को साइट के नोट्स और तस्वीरें लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

चरण 8: छात्रों को अपने समूहों के साथ एक रिपोर्ट (किसी भी रूप में वे पसंद करें) तैयार करने और अपनी कक्षा के सामने अपनी सीख प्रस्तुत करने के लिए मार्गदर्शन करें।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्रों में स्थानीय विरासत स्थलों, संग्रहालयों और ऐतिहासिक स्थलों की सराहना और गहरी समझ विकसित होगी। • वे प्रारंभिक अनुसंधान करने में कौशल विकसित करेंगे।	• ऐतिहासिक स्थलों पर छात्रों द्वारा बनाई गई रिपोर्ट एकत्र करें और छात्रों के लिए अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए एक साझा मंडली का आयोजन करें। • छात्रों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का मूल्यांकन ऐतिहासिक जानकारी की सटीकता, विश्लेषण की गहराई, रचनात्मकता और प्रस्तुति प्रारूप जैसे मानदंडों पर किया जाएगा। • छात्रों से उनके अनुभवों के बारे में फीडबैक एकत्र करें।

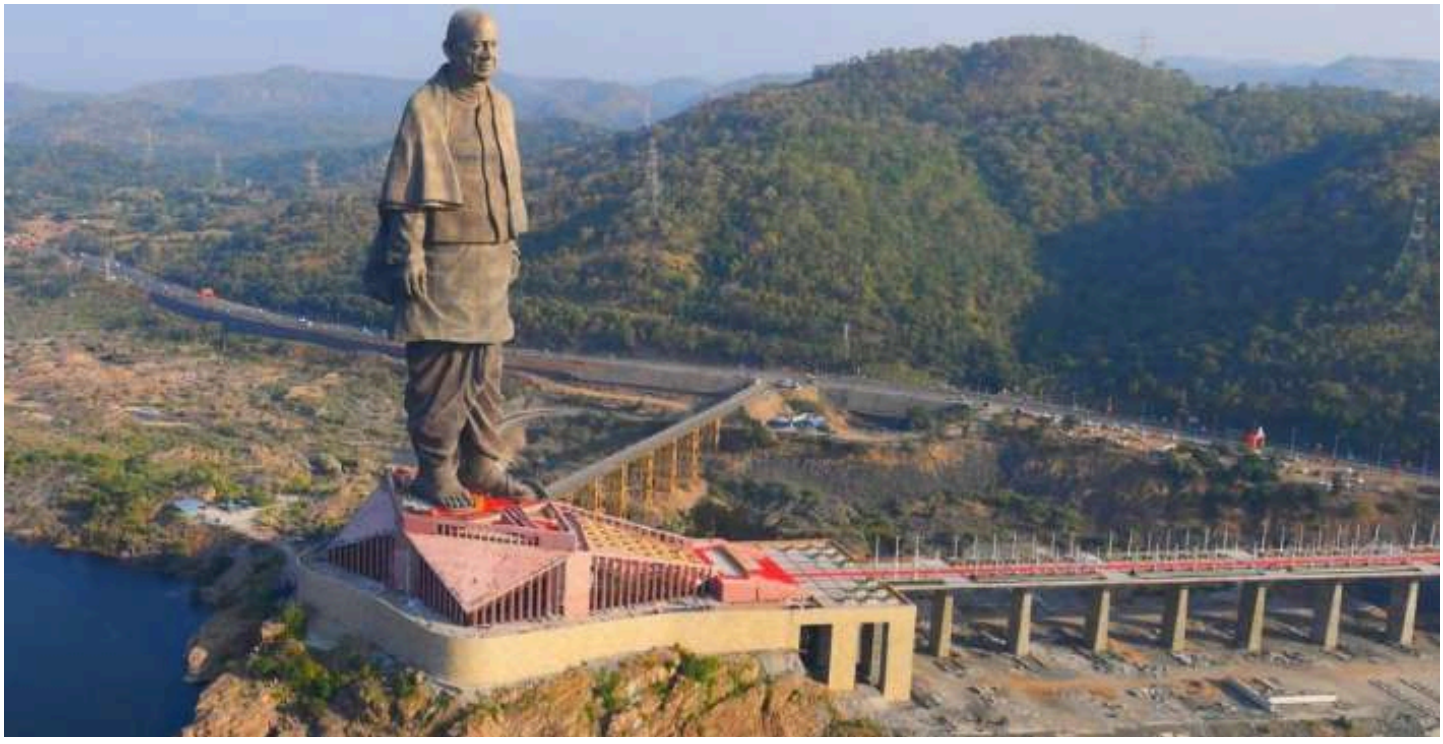

सप्ताह - 24

प्राण -4: एकता

एक्शन प्रोजेक्ट: भाषा सीखने के स्थान

उद्देश्य	सामग्री
• पूरे स्कूल में एक भाषा सीखने की जगह शुरू करना जहां छात्र भाषाई विविधता और एकता को प्रोत्साहित करते हुए विभिन्न भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए एक साथ आते हैं	• इंटरनेट या समुदाय के आसपास के लोगों से भाषा सीखने के स्रोत • स्थान स्थापित करने के लिए नियोजित सामग्री (जैसे: किताबें, चार्ट पेपर, आदि)

तैयारी का समय: 3-4 दिन
कार्यान्वयन का समय: 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: सीखी जाने वाली भाषाओं, उनके स्रोतों और स्थान की संरचना की योजना बनाएं और उसे अंतिम रूप दें।

चरण 2: इस अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए समय सारणी में एक छोटा स्लॉट शामिल करें।

चरण 3: छात्र समूह बनाएं और अन्य छात्रों को पढ़ाने के लिए छात्रों को एक भाषा निर्दिष्ट करें।

चरण 4: भाषा सिखाने के नवीन तरीकों पर भी शोध किया जा सकता है और कक्षाओं में अपनाए जाने वाले छात्रों के साथ साझा किया जा सकता है।

चरण 5: भाषा सीखने की कक्षाओं की निगरानी करें।

चरण 6: भाषा सीखने के स्थानों पर छात्रों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया एकत्र करें और आवश्यकतानुसार कोई भी संशोधन करें।

चरण 7: कार्यक्रमों और स्कूल व्यापी आयोजनों के दौरान अलग-अलग भाषा का उपयोग किया जा सकता है।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र भाषाई विविधता पर जागरूकता बढ़ाएंगे। • छात्र देश की विभिन्न भाषाओं के बुनियादी अभिवादन और रोजमर्रा के वाक्यांश सीखेंगे।	• भाषा सीखने के स्थानों की प्रकृति की समय-समय पर निगरानी और रिकॉर्ड करें। • स्कूल के विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों में भाषा सीखने का उपयोग करें।

सप्ताह - 25

प्राण -5: नागरिकों में कर्तव्य की भावना

एक्शन प्रोजेक्ट: आए रीसायकल करें

उद्देश्य	सामग्री
• छात्रों में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना और उन्हें इसे अपने दैनिक जीवन में लागू करने के लिए प्रोत्साहित करना।	• 5आर पर मुद्रित हैंडआउट्स (कम करें, पुनः चक्रित करें, अस्वीकार करें, पुन: उपयोग करें, पुन: उपयोग करें)। • स्वच्छता अभियान का कार्यक्रम एवं एजेंडा।

तैयारी का समय- 3 दिन
कार्यान्वयन का समय- 2 दिन

प्रक्रिया

चरण 1: स्वच्छता, पुनर्चक्रण और सामग्री के पुन: उपयोग के महत्व के बारे में बताते हुए इस परियोजना को विद्यार्थियों के समक्ष पेश करना।

चरण 2: कचरा पृथकीकरण की अवधारणा से छात्रों को परिचित कराएं।

चरण 3: स्कूलों और आसपास के समुदायों से अपशिष्ट सामग्री एकत्र करने के लिए छात्रों के साथ स्वच्छता अभियान चलाएं।

चरण 4: एकत्र किए गए कचरे से अलग-अलग पुर्नचक्रीय और गैर-रिसाइक्लेबल सामग्री के लिए छात्रों का मार्गदर्शन करें।

चरण 5: पुनरावर्तनीय सामग्री से बनाने के लिए उपयोगी और सजावटी वस्तुओं पर निर्णय लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।

चरण 6: छात्रों के लिए एकत्रित सामग्री से विभिन्न सजावटी और उपयोगी वस्तुओं को बनाने के लिए सत्रों को सुविधाजनक बनाने के लिए शिक्षकों का मार्गदर्शन करें।

चरण 7: एक प्रदर्शनी का आयोजन करें जिसमें छात्र अपनी बनाई गई सामग्री का प्रदर्शन करेंगे।

अपेक्षित परिणाम	मूल्यांकन
• छात्र अपने नागरिक कर्तव्यों और पर्यावरण की रक्षा के महत्व को स्पष्ट रूप से समझेंगे। • उन्हें पर्यावरण संबंधी जरूरतों के बारे में अधिक जानकारी होगी और वे कैसे योगदान दे सकते हैं।	• स्वच्छता अभियान पर छात्रों का फीडबैक लें। • अवलोकन सूची में थीम पर स्पष्टता, 5 आर के बीच अंतर शामिल हो सकता है। • भौतिक निर्माण गतिविधि के दौरान छात्रों की भागीदारी और सहभागिता का ध्यान रखें। • प्रमुख अवधारणाओं के अवधारण को समझने के लिए एक चर्चा सत्र आयोजित करें।

कार्यान्वयन विवरण अपडेट करने के लिए गूगल फॉर्म तक पहुंचने के लिए स्कैन करें

PM SHRI Schools

PM SCHOOLS FOR RISING INDIA